ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 21-07-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-21 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-22	2023-07-23	2023-07-24	2023-07-25	2023-07-26
वर्षा (मिमी)	90.0	40.0	30.0	45.0	45.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	22.0	23.0	24.0	23.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	15.0	15.0	15.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	90	90	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	75	75	75	75
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	110	70	70	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 21 से 25 जुलाई तक 30-90 मिमी तक मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान, क्रमशः 22.0 से 24.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री के बीच हो सकता है सेल्सियस। हवा के 5.0-6.0 किमी/घंटा की गति से पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से चलने के असर है । हल्के से मध्यम 21, 22, 24 और 25 जुलाई को अधिकांश स्थानों पर बारिश/आंधी तूफान आने की संभावना है और इसी तरह की स्थितियां 23 जुलाई, 2023 को कई स्थानों पर रहने के आसार है । चेतावनी: 21 जुलाई को आंधी/बिजली और तीव्र बारिश के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा के संबंध में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 22 और 23 को पीला अलर्ट जारी किया गया है, जहां आंधी/बिजली और तीव्र बारिश होने की संभावना है। भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ ऐसी ही स्थिति 24 और 25 जुलाई को भी जारी रहने की संभावना है, जहां मौसम की स्थिति पर नजर ररखने की जरुरत है ।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें तथा बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है । इससे किसानो को कृषि कार्यों में निर्णय लेने में मदद मिलेगी और आम इंसान जान-माल की क्षति से बच सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

मध्यम से भारी वर्षा का पूर्वानुमान है, इसलिए सभी कृषि गतिविधियाँ उसी के अनुसार की जानी चाहिए।.

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	रोपाई इसी महीने में पूरी कर ली जानी चाहिए और 10 दिन के अंदर प्लॉटों में मारे तथा खली जगहों पर फिर से रोपाई कर लेनी चाहिए। किसी भी प्रकार के खरपतवारनाशी का प्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए।
मक्का	पूर्वानुमान के अनुसार खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था करनी चाहिए तथा जून माह में बोई गई फसल में सिंचाई से बचना चाहिए।
सोयाबीन	खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करनी चाहिए।
मूँग	मूंग की बुवाई माह के द्वितीय पखवाड़े में मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	यदि पौधे रोपाई के लिए तैयार हैं तो पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए रोपाई की जानी चाहिए। पत्तागोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और नोल-खोल की कम अवधि वाली किस्मों को मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में उगाया जा सकता है, लेकिन खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद ही। पूर्वानुमानित वर्षा के अनुसार जल निकासी के उचित उपाय किये जाने चाहिए।
टमाटर	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
शिमला मिर्च	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
बैंगन	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
मिर्च	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए और किसी भी प्रकार के रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
सेम की फली	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए और किसी भी प्रकार के रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों भैं सोंकी सों सों सों ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफसुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। मानसून के दौरान, मवेशियों को शेड में ही रखा जाना चाहिए और रोगाणु/जीवाणु से बचने के लिए नियमित सफाई की जानी चाहिए।
भेंस	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों भैं सोंकी सों सों सों ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफसुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। मानसून के दौरान, मवेशियों को शेड में ही रखा जाना चाहिए और रोगाणु/जीवाणु से बचने के लिए नियमित सफाई की जानी चाहिए।